an>

Title: Regarding the recent disclosure made in Ishrat Jahan case.

डॉ. किरीट सोमैया (मुम्बई उत्तर पूर्व) : महोदया, गत कुछ दिनों से समाचार पत्रों में इशरत जहाँ केस के सम्बन्ध में अनेक खबरें आ रही हैं। गत सेशन में मैंने यह विषय कालिंग अटेंशन के द्वारा उपस्थित किया था और माननीय गृह मंत्री जी ने कहा था कि उसके लिए एक कमेटी बनाई जाएगी और जो चार पेपर गायब हुए हैं, वह कमेटी उसके बारे में रिपोर्ट देगी। मैं आपके माध्यम से माननीय गृह मंत्री जी और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा कि क्या उन चार पेपरों का पता चल चुका है, क्या कमेटी की रिपोर्ट आ गई? गत सप्ताह कुछ चैनल्स और अखबारों में आया कि जो पहला ऐफिडेविट इशरत जहाँ मामले में फाइल हुआ था, उसको उस समय के पूर्व गृह मंत्री â€¦* ने साइन किया था, ऑथेन्टिकेट किया था। जो पहला ऐफिडेविट था, उसमें इशरत जहाँ को एक अतिरेकी, आतंकवादियों की सहयोगी माना गया था और वह एन्काउन्टर है, ऐसा कहा गया था। कुछ तीन महीनों के पश्चात दूसरा ऐफिडेविट फाइल हुआ, वह भी उस समय के पूर्व गृह मंत्री â€¦* ने ऑथेन्टिकेट किया था। उसकी फाइल नोटिंग्स मिल गई हैं। ऐफिडेविट को पूर्व गृह मंत्री â€¦ * ने मंजूरी दी थी, वह मिल गया है। मैं यह जानना चाहूँगा कि तीन महीने के अन्दर तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने एक ओर इशरत जहाँ को आतंकवादी बताया और दूसरे ऐफिडेविट में शहीद करार दिया। गए छह साल से कांग्रेस के नेता इशरत जहाँ को शहीद, शहीद, शहीद कहते रहे, तो सदन के द्वारा पूरा देश जानना चाहता है कि इशरत जहाँ, जो आतंकवादी थी, उसको शहीद बनाया किसने, शहीद करार दिया किसने?...(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): Madam, I am on a point of order....(*Interruptions*) The issue is *sub judice*....(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : प्वाइंट ऑफ ऑर्डर नहीं होता, फिर भी आपकी बात सुन लूँगी।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. किरीट सोमैया : यह जो फाइल नोटिंग है, â€¦* दोनों पूर्व गृह मंत्रियों ने ये बातें समाज से क्यों छिपाकर रखीं?...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप नाम क्यों लेते हो?

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप चाहें तो मैं आपकी बात सुन लूँगी।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. किरीट सोमैया : यह देश की सुरक्षा के साथ में खिलवाड़ किया या नहीं, यह हम सरकार से जानना चाहते हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ठीक है, धन्यवाद। दोनों के नाम लिया जाना ठीक नहीं हैं, केवल पूर्व गृह मंत्री कहा जा सकता है।

श्री चन्दू प्रकाश जोशी,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री देवजी एम. पटेल,

श्री शिवकुमार उदासि,

श्री रोड़मल नागर,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री उदय प्रताप सिंह,

श्री पी.पी.चौधरी और

श्री अजय मिश्रा टेनी को डॉ. किरीट सोमैया द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Madam, the issue is pending before the court. How can a Member refer his name and discuss...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: It is not discussed.

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: How can he refer his name....(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : यह डिस्कस नहीं हो रहा है। उन्होंने केवल कुछ प्रश्न पूछा है, उन्होंने उत्तर भी नहीं दिया है। So, it is not discussed.

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठ जाइए। आपने अपनी बात कह दी है।

â€¦(व्यवधान)